हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, 2022-23

कार्यक्रम : एम.ए (हिंदी)

सत्र : सातवाँ **समयावधि : 3 घंटे**

पाठ्यक्रम शीर्षक : सिनेमा अध्ययन **कुल अंक : 70**

पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1305 GE 3104

निर्देश :

1. प्रश्न सं. 1 के कुल सात भाग हैं | जिनमे से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे | प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं |

2. प्रश्न सं. दो से पांच के कुल तीन भाग हैं | जिनमे से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे | | प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं |

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए | **(4X3.5=14)**

a) सिनेमा और समाज

b)नायकत्व की अवधारणा

C) हिंदी सिनेमा में स्त्री एवं प्रेम

d)वृतचित्र

e) सिनेमा और साहित्य का संबंध

f) सिनेमा में सांस्कृतिक विमर्श

g) आधुनिक सिनेमा

प्रश्न 2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(2X7=14)**

(a) सिनेमा के उद्भव एवं विकास पर निबंध लिखिए।

(b) सिनेमा 'उद्योग है अथवा कला' पक्ष-विपक्ष में मत प्रकट करें।

(c) सिनेमा और समाज के अंतर्संबंध को व्याख्यायित कीजिए।

प्रश्न 3 . किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(2X7=14)**

a) राष्ट्रनिर्माण में सिनेमा के महत्व पर प्रकाश डालिए।

b) वर्तमान हिंदी सिनेमा के परिदृश्य पर प्रकाश डालिए।

c) हिंदी सिनेमा के संदर्भ में रूमानी दौर की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए | **(2X7=14)**

a) वृतचित्र की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके बदलते स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

b) हिंदी सिनेमा में नायकत्व की अवधारणा को स्पष्ट करें।

C)भारतीय सिनेमा में स्त्री और प्रेम के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 5 . निम्नलिखित में से किन्हीं दो की समीक्षा करें। **(2X7=14)**

a) मुगले आजम

b) शेरनी

c) एक रुका हुआ फैसला

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, जनवरी 2023

कार्यक्रम : **एम.ए. (हिंदी)**
सेमेस्टर : **तृतीय**
पाठ्यक्रम शीर्षक : **शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया (अनिवार्य)**
पाठ्यक्रम कोड : **SHSS HND 1 3 22 DCEC 2114**

सत्र : **2022-23**
समयावधि : **2 घंटे**
अधिकतम अंक : **35**

निर्देश :

- *प्रश्न सं. 1 के कुल तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं।*
- *प्रश्न सं. 2 से 3 तक के प्रश्नों के कुल तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं।*

1. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (3.5 x 2= 7)

   a) शोध के विभिन्न पर्याय।

   b) संदर्भ ग्रंथ सूची।

   c) शोध और मूल्य।

2. a) शोध की अवधारणा और उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14)

   b) शोध, समीक्षा और आलोचना में अंतर स्पष्ट कीजिए।

   c) शोध की आवश्यकता एवं उसके महत्त्व पर विचार कीजिए।

3. a) साहित्यिक शोध से क्या अभिप्राय है ? इसके विभिन्न प्रकारों के बारे में बताइए। (7 x 2 = 14)

   b) शोध में पुस्तकालय की भूमिका की विवेचना कीजिए।

   c) विषय चयन के प्रमुख आधारों को स्पष्ट कीजिए।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

संत्रात परीक्षा, जनवरी 2023

कार्यक्रम : एम ए (हिन्दी)
सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम : मीरां
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1313 DCEC 3104

सत्र : 2022- 23
समयावधि : 3 घण्टे
कुलअंक : 70

निर्देश :

1. **प्रश्न संख्या 1 के कुल सात भाग है। जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित है।**
2. **प्रश्न संख्या दो से पांच तक के कुल तीन भाग है। जिसमें से किन्ही दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित है।**

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी कीजिए। (4 × 3.5 = 14)

(क) वार्ता साहित्य

(ख) भक्तमाल

(ग) मीराबाई की परची

(घ) मीरा मन्दिर

(ङ) सती प्रथा एवं मीरा

(च) मीरा की भक्ति

(छ) मीरा की भाषा

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 × 7 = 14)

(क) सती प्रथा एवं मीरा युगीन समाज का विवेचन कीजिए।

(ख) मीरा की लोकप्रियता एंव भक्ति में चितौड़गढ़ के राजनीतिक परिवेश की भूमिका का निर्धारण कीजिए।

(ग) मेड़तियां–हाड़ा संघर्ष को समझाते हुए बताइये कि इस संघर्ष ने मीरां के जीवन को किस तरह प्रभावित किया विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 × 7 = 14)

(क) हिन्दी आलोचना में मीरा के स्थान का निर्धारण करते हुए बताइये कि प्रगतिशील आलोचना में मीरा को किस प्रकार व्याख्यायित किया है। सप्रमाण उत्तर दीजिए।

(ख) मीरा के जीवन सम्बन्धी पुरातात्त्विक एंव साहित्यिक स्त्रोत सामग्री की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

(ग) इतिहासकारों ने अपने ग्रंथों में मीरा का उल्लेख किस प्रकार किया है। विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 × 7 = 14)

(क) "गीति मुक्त हृदय की निश्छल अभिव्यक्ति है। वह भावमय सर्जना है।" इस कथन को स्पष्ट करते हुए गीतिकाव्य को परिभाषित कीजिए और मीरा के गीतिकाव्य का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) "मीरा का काव्य स्त्री चेतना एंव सामाजिक विद्रोह का काव्य है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ग) मीरा के आराध्य कौन थे। वे सगुण थे या निर्गुण। स्पष्ट विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किन्ही दो पद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (2 × 7 = 14)

(क) मण थे परस हरि रे चरण।।
सुभग शीतल कंवल कोमल, जगत ज्वाला हरण।
इण चरण प्रह्लाद परस्यां, इन्द्र पदवी धरण।
इण चरण ध्रुव अटल करस्यां, सरण असरण सरण।
इण चरण ब्रह्माण्ड भेट्या, नखसिखां गिरि भरण।
इण चरण गोबरधन धार्‌यां गरब मधवा हरण।
दासि मीरां लाल गिरधर, अगम तारण तरण।

(ख) राणाजी थे क्यांने राखो म्हांसू बैर।।
थे तो राणा म्हांने इसड़ा लागौ ज्यों ब्रच्छन में कैर।
महल अटारी हम सब त्यागे, त्याग्यो थारो बसनो सहर।
कागज टीकी राणा हम सब त्याग्या भगवीं चादर पहर।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, इमरितकर दियो जहर।

(ग) राणाजी थे जहर दिया म्हे जाणी।।
जैसे कंचन दहत अगिन में, निकसत वारावाणी।
लोकलाज कुल काण जगत की, दइ बहाय जस पाणी।
अपणे घर का परदा करले, मैं अबला बौराणी।
तरकस तीर लग्यो मेरे हियरे, गरक गयो सनकाणी।
सब संतन पर तन मन वारों चरण कंवल लपटाणी।
मीरा के प्रभु राणि लई है, दासी अपणी जाणी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, जनवरी 2023

कार्यक्रम : **एम.ए. (हिंदी)** सत्र : **2022-23**

सेमेस्टर : **तृतीय** समयावधि : **3 घंटे**

पाठ्यक्रम शीर्षक : **प्रेमचंद** अधिकतम अंक : **70**

पाठ्यक्रम कोड : **SHSS HND 1 3 18 DCEC 3104**

निर्देश :

- *प्रश्न सं. 1 के कुल सात भाग हैं, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं।*
- *प्रश्न सं. 2 से 5 तक के प्रश्नों के कुल तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं।*

1. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (3.5 x 4 = 14)
   a) प्रेमचंद का राष्ट्रवाद।
   b) 'रंगभूमि' की पात्र-योजना।
   c) प्रेमचंद की दलित चेतना।
   d) हामिद का बचपन।
   e) 'साहित्य का उद्देश्य' का मूल मंतव्य।
   f) 'रंगभूमि' में गांधीवाद।
   g) 'ठाकुर का कुआं' की मूल समस्या।

2. a) प्रेमचंद के जीवन और सृजन पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14)
   b) 'प्रेमचंद और पत्रकारिता' विषय पर एक संक्षिप्त नोट लिखिए।
   c) प्रेमचंद के लेखन के किसान पक्ष पर विचार कीजिए।

3. a) 'रंगभूमि' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14)
   b) सूरदास की चारित्रिक विशेषताओं पर एक नोट लिखिए।
   c) संदर्भ सहित व्याख्या करें :

गोदाम के पीछे की ओर एक विस्तृत मैदान था। यहाँ आस-पास के जानवर चरने आया करते थे। जॉन सेवक यह जमीन लेकर यहाँ सिगरेट बनाने का एक कारखाना खोलना चाहते थे। प्रभु सेवक को इसी व्यवसाय की शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका भेजा था। जॉन सेवक के साथ प्रभु सेवक और उनकी माता भी जमीन देखने चलीं। पिता और पुत्र ने मिलकर जमीन का विस्तार नापा। कहाँ कारखाना होगा, कहाँ गोदाम, कहाँ दफ़्तर, कहाँ मैनेजर का बंगला, कहाँ श्रमजीवियों के कमरे, कहाँ कोयला रखने की जगह और कहाँ से पानी आएगा, इन विषयों पर दोनों आदमियों में देर तक बातें होती रहीं। अंत में मिस्टर सेवक ने ताहिर अली से पूछा—यह किसकी जमीन है ?

4. a) 'पूस की रात' कहानी का मर्म स्पष्ट कीजिए। (7 x 2 = 14)

b) 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे ?' कथन के आलोक में 'पंच परमेश्वर' कहानी की विवेचना कीजिए।

c) संदर्भ सहित व्याख्या करें :

दिलफ़िगार का हियाव छूट गया। उसे यकीन हो गया कि मैं दुनिया में इसी तरह नाशाद और नामुराद मर जाने के लिए पैदा किया गया था और अब इसके सिवा और कोई चारा नहीं कि किसी पहाड़ पर चढ़कर नीचे कूद पड़ूँ, ताकि माशूक के ज़ुल्मों की फ़रियाद करने के लिए एक हड्डी भी बाकी न रहे। वह दीवाने की तरह उठा और गिरता-पड़ता एक गगनचुम्बी पहाड़ की चोटी पर जा पहुंचा। किसी और समय वह ऐसे ऊँचे पहाड़ पर चढ़ने का साहस न कर सकता था, मगर इस वक़्त जान देने के जोश में उसे वह पहाड़ एक मामूली टेकरी से ज्यादा ऊँचा न नज़र आया। करीब था कि वह नीचे कूद पड़े कि हरे-हरे कपड़े पहने हुए और हरा अमामा बांधे एक बुजुर्ग एक हाथ में तसबीह और दूसरे हाथ में लाठी लिए बरामद हुए और हिम्मत बढ़ाने वाले स्वर में बोले-दिलफ़िगार, नादान दिलफ़िगार, यह क्या बुजदिलों जैसी हरकत है ! तू मुहब्बत का दावा करता है और तुझे इतनी भी ख़बर नहीं कि मजबूत इरादा मुहब्बत के रास्ते की पहली मंजिल है ? मर्द बन और यों हिम्मत न हार। पूरब की तरफ एक देश है जिसका नाम हिंदोस्तान है, वहां जा और तेरी आरजू पूरी होगी।

5. a) प्रेमचंद के 'महाजनी सभ्यता' संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14)

b) प्रेमचंद के निबंध 'राष्ट्रभाषा हिंदी और उसकी समस्याएँ' का मूल स्वर क्या है ?

c) संदर्भ सहित व्याख्या करें :

सबसे उत्तम कहानी वह होती है, जिसका आधार किसी मनोवैज्ञानिक सत्य पर हो। साधु पिता का अपने कुव्यसनी पुत्र की दशा से दुखी होना मनोवैज्ञानिक सत्य है। इस आवेग में पिता के मनोवेगों को चित्रित करना और तदनुकूल उसके व्यवहारों को प्रदर्शित करना, कहानी को आकर्षक बना सकता है। बुरा आदमी भी बिलकुल बुरा नहीं होता, उसमें कहीं देवता अवश्य छिपा होता है-यह मनोवैज्ञानिक सत्य है। उस देवता को खोलकर दिखा देना सफल आख्यायिका-लेखक का काम है। विपत्ति पर विपत्ति पड़ने से मनुष्य कितना दिलेर हो जाता है, यहाँ तक कि वह बड़े से बड़े संकट का सामना करने के लिए ताल ठोंक तैयार हो जाता है, उसकी दुर्वासना भाग जाती है, उसके हृदय के किसी गुप्त स्थान में छिपे हुए जौहर निकल आते हैं और हमें चकित कर देते हैं-यह मनोवैज्ञानिक सत्य है। एक ही घटना या दुर्घटना भिन्न-भिन्न प्रकृति के मनुष्यों को भिन्न-भिन्न रूप से प्रभावित करती है। हम कहानी में इसको सफलता के साथ दिखा सकें, तो कहानी अवश्य आकर्षक होगी।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, जनवरी -2023

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी)
सेमेस्टर : III
पाठ्यक्रम का नाम : भारतीय काव्यशास्त्र
कोर्स कोड : SHSS HND 1 3 10 C 4105

सत्र : 2022-23
अवधि : 3 घंटे
पूर्णांक : 70

निर्देश :

1. प्रश्न संख्या एक के सात उपखंड हैं। परीक्षार्थी को किन्हीं चार उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड 3.5 अंकों का है।
2. प्रश्न संख्या दो से पांच तक में तीन उपखंड हैं, जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्न में से किन्हीं दो उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड 7 अंकों का है।

प्रश्न संख्या -1 (7X3.5=14)

अ) काव्य गुण को स्पष्ट कीजिए।
ब) खण्ड काव्य पर टिप्पणी लिखिए।
स) उपमा अलंकार को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
द) 'सहृदय' का आशय स्पष्ट कीजिए।
य) 'विशिष्ट पद रचना रीतिः' का अभिप्राय लिखिए।
र) यमक अलंकार को सोदाहरण परिभाषित कीजिए।
ल) अभिधामूला ध्वनि से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न संख्या-2 (2X7=14)

अ) काव्य प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।
ब) काव्य लक्षण के संबंध में विभिन्न आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।
स) काव्य हेतु का विस्तृत विवेचन कीजिए।

प्रश्न संख्या-3 (2X7=14)

अ) रस-निष्पति संबंधी विभिन्न व्याख्याओं की समीक्षा कीजिए।
ब) अलंकार-सिद्धांत का निरूपण कीजिए।
स) साधारणीकरण पर सारगर्भित निबंध लिखिए।

प्रश्न संख्या-4 (2X7=14)

अ) वामन के काव्य-सिद्धांत का उल्लेख कीजिए।
ब) वक्रोक्ति-सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।
स) ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांत के साम्य-वैषम्य पर विचार कीजिए।

प्रश्न संख्या-5 (2x7=14)

अ) ध्वनि-सिद्धांत की विवेचना कीजिए।
ब) औचित्य-सिद्धांत का निरूपण कीजिए।
स) शब्द-शक्ति के भेदों को स्पष्ट कीजिए।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

संत्रात परीक्षा, जनवरी 2023

कार्यक्रम : एम ए (हिन्दी)
सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम : भक्तिकाव्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1309 C 4105

सत्र : 2022- 23
समयावधि : **3 घण्टे**
कुलअंक : 70

निर्देश :

1. **प्रश्न संख्या 1 के कुल सात भाग है। जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग में 3.5 अंक निर्धारित है।**
2. **प्रश्न संख्या दो से पांच तक के कुल तीन भाग है जिसमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं।**

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी कीजिए। (4 X 3.5 = 14)

(क) शुद्धाद्वैतवाद

(ख) रामानुजाचार्य

(ग) सूफीकाव्य

(घ) चंदायन

(ड़) अष्टछाप

(च) भ्रमरगीतसार

(छ) तुलसी की काव्याकला

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किंन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 X 7 = 14)

(क) कबीर की भाषा के विषय में प्रचलित मत – मतान्तरों का विवेचन करते हुए उनकी भाषा के विषय में निर्णायंक मत दीजिए।

(ख) कबीर की भक्ति – भावना का विवेचन कीजिए।

(ग) आज कबीर सर्वाधिक प्रासंगिक कवि है। कबीर के सामाजिक चिन्तन के प्ररिप्रेक्ष्य में इस कथन पर विचार कीजिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 X 7 = 14)

(क) "प्रेम सूफी काव्य में सर्वोपरी रहा है।" इस कथन के आलोक में जायसी की प्रेम पद्वति या प्रेम भावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) " जायसीकृत पद्मावत में प्रकृति सौन्दर्य की अदभुत और आकर्षक झॉकिया देखने को मिलती है।" स्पष्ट समीक्षा कीजिए।

(ग) निम्नलिखित पद्यावतण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा, साजा बिरह दुन्द दल बाजा।।
धुम, साम, धोरे घन धाए। सेत धजा बग–पांति देखाए।।
खड़ग–बीजु चमके चहुँ ओरा। बुंद बान बरसहि घन घोरा।।
ओनई घटा आइ चहुं फेरी। कंत! उबारू मदन हौं घेरी।।
दादर, मोर, कोकिला, पीऊ। गिरे बीजु, घट रहै न जीऊ।।
पुष्प नखत सिर ऊपर आवा। हौं बिनु नाह ,मंदिर को छाया।।
अद्रा लाग लागि तुई लेई मोहिं बिणु पिउ को आदर देई?
जिन्ह घर कंता ते सुखी, तिन्ह गारो ओ गर्ब।
कंत पियारा बाहिरै, हम सुख भूला सर्ब।।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 X 7 = 14)

(क) मीरा का काव्य लोक जीवन की सहजता और मार्मिकता से सम्पन है। उदाहरण सहित समझाइये।

(ख) सूर में जितनी सहृदयता है, उतनी ही वकता एंव वाग्विद्ग्धता। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) तुलसी की भक्ति भावना के लोकमंगलकारी पक्ष का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित पद्यावतरणों में से किसी दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (2 X 7 = 14)

(क) थारो रूप देख्यां अटकी।।
कुल कुटुम्ब सजण सकल बार बार हटकी।
बिसर्‌चांणा लगण लगां मोर मुगट भटकी।
म्हारो मण मगण स्याम लोक कह्या भटकी।
मीरां प्रभु सरण गह्यां जाण्या घट–घट की।।

(ख) आयो घोष बड़ो व्यापारी।
लादि खेप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आन उतारी।।
फाटक दैकर हाटंक मांगत भौरे निपट सुधारी।।
धुँर ही तें खोटो खायो है लये फिरत सिर भारी।।
इनको कहे कौन डहकावै ऐसी कौन अजानी?
अपनो दुध छाँडि को पीवै खार कूप को पानी।।

(ग) इहां भानुकूल कमल दिवाकर। कपिन्ह देखावत नगर मनोहर।।
सुनु कपीस अंगद लंकेसा। पावन पुरी रूचिर यह देसा।।
जद्यपि सब बैकुण्ट बखाना। वेद पुरान विदित जगु जाना।।
अवधपुरी सम प्रिय नहिं सोऊ। यह प्रसंग जानइ कोउ कोऊ।।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, जनवरी -2023

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी)
सेमेस्टर : III
पाठ्यक्रम का नाम : सिनेमा अध्ययन
कोर्स कोड : SHSS HND 1 3 05 GE 3104

सत्र : 2022-23
अवधि : 3 घंटे
पूर्णांक : 70

निर्देश :

1. प्रश्न संख्या एक के सात उपखंड हैं। परीक्षार्थी को किन्हीं चार उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड 3.5 अंकों का है।
2. प्रश्न संख्या दो से पांच तक में तीन उपखंड हैं, जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्न में से किन्हीं दो उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड 7 अंकों का है।

प्रश्न संख्या -1 (7X3.5=14)

अ) सिनेमा से संबंधित किसी एक संस्थान का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
ब) मूक फिल्म पर टिप्पणी लिखिए।
स) 'वृतचित्र' का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।
द) साहित्यिक कृति पर केंद्रित किसी एक फिल्म का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
य) हिंदी सिनेमा में नायकत्व की अवधारणा पर संक्षेप में विचार कीजिए।
र) हिंदी सिनेमा के वर्तमान परिदृश्य पर टिप्पणी लिखिए।
ल) 'मुगले-आज़म' में 'बहार' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न संख्या-2 (2X7=14)

अ) सिनेमा के उद्भव और विकास पर सारगर्भित निबंध लिखिए।
ब) सिनेमा उद्योग और कला के संबंधों पर प्रकाश डालिए।
स) सिनेमा के विविध प्रकारों का सविस्तार उल्लेख कीजिए।

प्रश्न संख्या-3 (2X7=14)

अ) हिंदी सिनेमा में स्त्री एवं प्रेम की उपस्थिति की विवेचना कीजिए।
ब) आरंभिक हिंदी सिनेमा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
स) हिंदी सिनेमा के रूमानी दौर के महत्त्व पर अपना मत प्रकट कीजिए।

प्रश्न संख्या-4 (2X7=14)

अ) सिनेमा और समाज के अंतर्संबंधों को निरूपित कीजिए।
ब) 'राष्ट्रीयता और सिनेमा' विषय पर निबंध लिखिए।
स) सिनेमा के बदलते स्वरूप को रूपायित कीजिए।

प्रश्न संख्या-5 (2x7=14)

अ) 'एक रुका हुआ फैसला' की विस्तारपूर्वक समीक्षा लिखिए।
ब) 'शेरनी' की मुख्य समस्या पर आलोचनात्मक निबंध लिखिए।
स) हिंदी सिनेमा में 'मुगल-ए-आज़म' के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, जनवरी 2023

कार्यक्रम : **एम.ए. (हिंदी)** सत्र : **2022-23**

सेमेस्टर : **तृतीय** समयावधि : **2 घंटे**

पाठ्यक्रम शीर्षक : **शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया (अनिवार्य)** अधिकतम अंक : **35**

पाठ्यक्रम कोड : **SHSS HND 1 3 22 DCEC 2114**

निर्देश :

- *प्रश्न सं. 1 के कुल तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं।*
- *प्रश्न सं. 2 से 3 तक के प्रश्नों के कुल तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं।*

1. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (3.5 x 2= 7)

   a) शोध के विभिन्न पर्याय।

   b) संदर्भ ग्रंथ सूची।

   c) शोध और मूल्य।

2. a) शोध की अवधारणा और उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14)

   b) शोध, समीक्षा और आलोचना में अंतर स्पष्ट कीजिए।

   c) शोध की आवश्यकता एवं उसके महत्त्व पर विचार कीजिए।

3. a) साहित्यिक शोध से क्या अभिप्राय है ? इसके विभिन्न प्रकारों के बारे में बताइए। (7 x 2 = 14)

   b) शोध में पुस्तकालय की भूमिका की विवेचना कीजिए।

   c) विषय चयन के प्रमुख आधारों को स्पष्ट कीजिए।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

संत्रात परीक्षा, जनवरी 2023

कार्यक्रम : एम ए (हिन्दी) सत्र : 2022- 23

सेमेस्टर : तृतीय **समयावधि : 3 घण्टे**

पाठ्यक्रम : मीरां कुलअंक : 70

पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1313 DCEC 3104

निर्देश :

1. **प्रश्न संख्या 1 के कुल सात भाग है। जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित है।**
2. **प्रश्न संख्या दो से पांच तक के कुल तीन भाग है। जिसमें से किन्ही दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित है।**

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी कीजिए। (4 × 3.5 = 14)

(क) वार्ता साहित्य

(ख) भक्तमाल

(ग) मीराबाई की परची

(घ) मीरा मन्दिर

(ड) सती प्रथा एवं मीरा

(च) मीरा की भक्ति

(छ) मीरा की भाषा

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 × 7 = 14)

(क) सती प्रथा एवं मीरा युगीन समाज का विवेचन कीजिए।

(ख) मीरा की लोकप्रियता एंव भक्ति में चितौड़गढ़ के राजनीतिक परिवेश की भूमिका का निर्धारण कीजिए।

(ग) मेड़तियां–हाड़ा संघर्ष को समझाते हुए बताइये कि इस संघर्ष ने मीरां के जीवन को किस तरह प्रभावित किया विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 × 7 = 14)

(क) हिन्दी आलोचना में मीरा के स्थान का निर्धारण करते हुए बताइये कि प्रगतिशील आलोचना में मीरा को किस प्रकार व्याख्यायित किया है। सप्रमाण उत्तर दीजिए।

(ख) मीरा के जीवन सम्बन्धी पुरातात्त्विक एंव साहित्यिक स्त्रोत सामग्री की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

(ग) इतिहासकारों ने अपने ग्रंथों में मीरा का उल्लेख किस प्रकार किया है। विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 × 7 = 14)

(क) "गीति मुक्त हृदय की निश्छल अभिव्यक्ति है। वह भावमय सर्जना है।" इस कथन को स्पष्ट करते हुए गीतिकाव्य को परिभाषित कीजिए और मीरा के गीतिकाव्य का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) "मीरा का काव्य स्त्री चेतना एंव सामाजिक विद्रोह का काव्य है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ग) मीरा के आराध्य कौन थे। वे सगुण थे या निर्गुण। स्पष्ट विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किन्ही दो पद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (2 × 7 = 14)

(क) मण थे परस हरि रे चरण।।
सुभग शीतल कंवल कोमल, जगत ज्वाला हरण।
इण चरण प्रह्लाद परस्यां, इन्द्र पदवी धरण।
इण चरण ध्रुव अटल करस्यां, सरण असरण सरण।
इण चरण ब्रह्माण्ड भेट्या, नखसिखां गिरि भरण।
इण चरण गोबरधन धा्रयां गरब मधवा हरण।
दासि मीरां लाल गिरधर, अगम तारण तरण।

(ख) राणाजी थे क्यांने राखो म्हांसू बैर।।
थे तो राणा म्हांने इसड़ा लागौ ज्यों ब्रच्छन में कैर।
महल अटारी हम सब त्यागे, त्याग्यो थारो बसनो सहर।
कागज टीकी राणा हम सब त्याग्या भगवीं चादर पहर।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, इमरितकर दियो जहर।

(ग) राणाजी थे जहर दिया म्हे जाणी।।
जैसें कंचन दहत अगिन में, निकसत वारावाणी।
लोकलाज कुल काण जगत की, दइ बहाय जस पाणी।
अपणे घर का परदा करले, मैं अबला बौराणी।
तरकस तीर लग्यो मेरे हियरे, गरक गयो सनकाणी।
सब संतन पर तन मन वारों चरण कंवल लपटाणी।
मीरा के प्रभु राणि लई है, दासी अपणी जाणी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, जनवरी 2023

कार्यक्रम : **एम.ए. (हिंदी)** सत्र : **2022-23**

सेमेस्टर : **तृतीय** समयावधि : **3 घंटे**

पाठ्यक्रम शीर्षक : **प्रेमचंद** अधिकतम अंक : **70**

पाठ्यक्रम कोड : **SHSS HND 1 3 18 DCEC 3104**

निर्देश :

- *प्रश्न सं. 1 के कुल सात भाग हैं, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं।*
- *प्रश्न सं. 2 से 5 तक के प्रश्नों के कुल तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं।*

1. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (3.5 x 4 = 14)
   a) प्रेमचंद का राष्ट्रवाद।
   b) 'रंगभूमि' की पात्र-योजना।
   c) प्रेमचंद की दलित चेतना।
   d) हामिद का बचपन।
   e) 'साहित्य का उद्देश्य' का मूल मंतव्य।
   f) 'रंगभूमि' में गांधीवाद।
   g) 'ठाकुर का कुआं' की मूल समस्या।

2. a) प्रेमचंद के जीवन और सृजन पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14)
   b) 'प्रेमचंद और पत्रकारिता' विषय पर एक संक्षिप्त नोट लिखिए।
   c) प्रेमचंद के लेखन के किसान पक्ष पर विचार कीजिए।

3. a) 'रंगभूमि' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14)
   b) सूरदास की चारित्रिक विशेषताओं पर एक नोट लिखिए।
   c) संदर्भ सहित व्याख्या करें :

गोदाम के पीछे की ओर एक विस्तृत मैदान था। यहाँ आस-पास के जानवर चरने आया करते थे। जॉन सेवक यह जमीन लेकर यहाँ सिगरेट बनाने का एक कारखाना खोलना चाहते थे। प्रभु सेवक को इसी व्यवसाय की शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका भेजा था। जॉन सेवक के साथ प्रभु सेवक और उनकी माता भी जमीन देखने चलीं। पिता और पुत्र ने मिलकर जमीन का विस्तार नापा। कहाँ कारखाना होगा, कहाँ गोदाम, कहाँ दफ़्तर, कहाँ मैनेजर का बंगला, कहाँ श्रमजीवियों के कमरे, कहाँ कोयला रखने की जगह और कहाँ से पानी आएगा, इन विषयों पर दोनों आदमियों में देर तक बातें होती रहीं। अंत में मिस्टर सेवक ने ताहिर अली से पूछा—यह किसकी जमीन है ?

4. a) 'पूस की रात' कहानी का मर्म स्पष्ट कीजिए। (7 x 2 = 14)

b) 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे ?' कथन के आलोक में 'पंच परमेश्वर' कहानी की विवेचना कीजिए।

c) संदर्भ सहित व्याख्या करें :

दिलफ़िगार का हियाव छूट गया। उसे यकीन हो गया कि मैं दुनिया में इसी तरह नाशाद और नामुराद मर जाने के लिए पैदा किया गया था और अब इसके सिवा और कोई चारा नहीं कि किसी पहाड़ पर चढ़कर नीचे कूद पड़ूँ, ताकि माशूक के ज़ुल्मों की फ़रियाद करने के लिए एक हड्डी भी बाकी न रहे। वह दीवाने की तरह उठा और गिरता-पड़ता एक गगनचुम्बी पहाड़ की चोटी पर जा पहुंचा। किसी और समय वह ऐसे ऊँचे पहाड़ पर चढ़ने का साहस न कर सकता था, मगर इस वक़्त जान देने के जोश में उसे वह पहाड़ एक मामूली टेकरी से ज्यादा ऊँचा न नज़र आया। करीब था कि वह नीचे कूद पड़े कि हरे-हरे कपड़े पहने हुए और हरा अमामा बांधे एक बुजुर्ग एक हाथ में तसबीह और दूसरे हाथ में लाठी लिए बरामद हुए और हिम्मत बढ़ाने वाले स्वर में बोले-दिलफ़िगार, नादान दिलफ़िगार, यह क्या बुजदिलों जैसी हरकत है ! तू मुहब्बत का दावा करता है और तुझे इतनी भी ख़बर नहीं कि मजबूत इरादा मुहब्बत के रास्ते की पहली मंजिल है ? मर्द बन और यों हिम्मत न हार। पूरब की तरफ एक देश है जिसका नाम हिंदोस्तान है, वहां जा और तेरी आरजू पूरी होगी।

5. a) प्रेमचंद के 'महाजनी सभ्यता' संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14)

b) प्रेमचंद के निबंध 'राष्ट्रभाषा हिंदी और उसकी समस्याएँ' का मूल स्वर क्या है ?

c) संदर्भ सहित व्याख्या करें :

सबसे उत्तम कहानी वह होती है, जिसका आधार किसी मनोवैज्ञानिक सत्य पर हो। साधु पिता का अपने कुव्यसनी पुत्र की दशा से दुखी होना मनोवैज्ञानिक सत्य है। इस आवेग में पिता के मनोवेगों को चित्रित करना और तदनुकूल उसके व्यवहारों को प्रदर्शित करना, कहानी को आकर्षक बना सकता है। बुरा आदमी भी बिलकुल बुरा नहीं होता, उसमें कहीं देवता अवश्य छिपा होता है-यह मनोवैज्ञानिक सत्य है। उस देवता को खोलकर दिखा देना सफल आख्यायिका-लेखक का काम है। विपत्ति पर विपत्ति पड़ने से मनुष्य कितना दिलेर हो जाता है, यहाँ तक कि वह बड़े से बड़े संकट का सामना करने के लिए ताल ठोंक तैयार हो जाता है, उसकी दुर्वासना भाग जाती है, उसके हृदय के किसी गुप्त स्थान में छिपे हुए जौहर निकल आते हैं और हमें चकित कर देते हैं-यह मनोवैज्ञानिक सत्य है। एक ही घटना या दुर्घटना भिन्न-भिन्न प्रकृति के मनुष्यों को भिन्न-भिन्न रूप से प्रभावित करती है। हम कहानी में इसको सफलता के साथ दिखा सकें, तो कहानी अवश्य आकर्षक होगी।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, जनवरी -2023

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी)
सेमेस्टर : III
पाठ्यक्रम का नाम : भारतीय काव्यशास्त्र
कोर्स कोड : SHSS HND 1 3 10 C 4105

सत्र : 2022-23
अवधि : 3 घंटे
पूर्णांक : 70

निर्देश :

1. प्रश्न संख्या एक के सात उपखंड हैं। परीक्षार्थी को किन्हीं चार उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड 3.5 अंकों का है।
2. प्रश्न संख्या दो से पांच तक में तीन उपखंड हैं, जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्न में से किन्हीं दो उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड 7 अंकों का है।

प्रश्न संख्या -1 (7X3.5=14)

अ) काव्य गुण को स्पष्ट कीजिए।
ब) खण्ड काव्य पर टिप्पणी लिखिए।
स) उपमा अलंकार को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
द) 'सहृदय' का आशय स्पष्ट कीजिए।
य) 'विशिष्ट पद रचना रीति:' का अभिप्राय लिखिए।
र) यमक अलंकार को सोदाहरण परिभाषित कीजिए।
ल) अभिधामूला ध्वनि से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न संख्या-2 (2X7=14)

अ) काव्य प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।
ब) काव्य लक्षण के संबंध में विभिन्न आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।
स) काव्य हेतु का विस्तृत विवेचन कीजिए।

प्रश्न संख्या-3 (2X7=14)

अ) रस-निष्पति संबंधी विभिन्न व्याख्याओं की समीक्षा कीजिए।
ब) अलंकार-सिद्धांत का निरूपण कीजिए।
स) साधारणीकरण पर सारगर्भित निबंध लिखिए।

प्रश्न संख्या-4 (2X7=14)

अ) वामन के काव्य-सिद्धांत का उल्लेख कीजिए।
ब) वक्रोक्ति-सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।
स) ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांत के साम्य-वैषम्य पर विचार कीजिए।

प्रश्न संख्या-5 (2x7=14)

अ) ध्वनि-सिद्धांत की विवेचना कीजिए।
ब) औचित्य-सिद्धांत का निरूपण कीजिए।
स) शब्द-शक्ति के भेदों को स्पष्ट कीजिए।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

संत्रात परीक्षा, जनवरी 2023

कार्यक्रम : एम ए (हिन्दी)
सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम : भक्तिकाव्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 1309 C 4105

सत्र : 2022- 23
समयावधि : **3 घण्टे**
कुलअंक : 70

निर्देश :

1. **प्रश्न संख्या 1 के कुल सात भाग है। जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग में 3.5 अंक निर्धारित है।**
2. **प्रश्न संख्या दो से पांच तक के कुल तीन भाग है जिसमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं।**

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी कीजिए। (4 X 3.5 = 14)

(क) शुद्धाद्वैतवाद

(ख) रामानुजाचार्य

(ग) सूफीकाव्य

(घ) चंदायन

(ड़) अष्टछाप

(च) भ्रमरगीतसार

(छ) तुलसी की काव्याकला

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किंन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 X 7 = 14)

(क) कबीर की भाषा के विषय में प्रचलित मत – मतान्तरों का विवेचन करते हुए उनकी भाषा के विषय में निर्णायंक मत दीजिए।

(ख) कबीर की भक्ति – भावना का विवेचन कीजिए।

(ग) आज कबीर सर्वाधिक प्रासंगिक कवि है। कबीर के सामाजिक चिन्तन के प्ररिप्रेक्ष्य में इस कथन पर विचार कीजिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 X 7 = 14)

(क) "प्रेम सूफी काव्य में सर्वोपरी रहा है।" इस कथन के आलोक में जायसी की प्रेम पद्वति या प्रेम भावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) " जायसीकृत पद्मावत में प्रकृति सौन्दर्य की अदभुत और आकर्षक झॉकिया देखने को मिलती है।" स्पष्ट समीक्षा कीजिए।

(ग) निम्नलिखित पद्यावतण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा, साजा बिरह दुन्द दल बाजा।।
धुम, साम, धोरे घन धाए। सेत धजा बग–पांति देखाए।।
खड़ग–बीजु चमके चहुँ ओरा। बुंद बान बरसहि घन घोरा।।
ओनई घटा आइ चहुं फेरी। कंत! उबारू मदन हौं घेरी।।
दादर, मोर, कोकिला, पीऊ। गिरे बीजु, घट रहै न जीऊ।।
पुष्य नखत सिर ऊपर आवा। हौं बिनु नाह ,मंदिर को छाया।।
अद्रा लाग लागि तुई लेई मोहिं बिणु पिउ को आदर देई?
जिन्ह घर कंता ते सुखी, तिन्ह गारो ओ गर्ब।
कंत पियारा बाहिरै, हम सुख भूला सर्ब।।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2 X 7 = 14)

(क) मीरा का काव्य लोक जीवन की सहजता और मार्मिकता से सम्पन है। उदाहरण सहित समझाइये।

(ख) सूर में जितनी सहृदयता है, उतनी ही वक्रता एंव वाग्विद्ग्धता। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) तुलसी की भक्ति भावना के लोकमंगलकारी पक्ष का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित पद्यावतरणों में से किसी दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (2 X 7 = 14)

(क) थारो रूप देख्यां अटकी।।
कुल कुटुम्ब सजण सकल बार बार हटकी।
बिसर्‌चांणा लगण लगां मोर मुगट भटकी।
म्हारो मण मगण स्याम लोक कह्या भटकी।
मीरां प्रभु सरण गह्यां जाण्या घट–घट की।।

(ख) आयो घोष बड़ो व्यापारी।
लादि खेप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आन उतारी।।
फाटक दैकर हाटंक मांगत भौरे निपट सुधारी।।
धुँर ही तें खोटो खायो है लये फिरत सिर भारी।।
इनको कहे कौन डहकावै ऐसी कौन अजानी?
अपनो दूध छाँडि को पीवै खार कूप को पानी।।

(ग) इहां भानुकूल कमल दिवाकर। कपिन्ह देखावत नगर मनोहर।।
सुनु कपीस अंगद लंकेसा। पावन पुरी रूचिर यह देसा।।
जद्यपि सब बैकुण्ट बखाना। वेद पुरान विदित जगु जाना।।
अवधपुरी सम प्रिय नहिं सोऊ। यह प्रसंग जानइ कोउ कोऊ।।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, जनवरी -2023

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी)
सेमेस्टर : III
पाठ्यक्रम का नाम : सिनेमा अध्ययन
कोर्स कोड : SHSS HND 1 3 05 GE 3104

सत्र : 2022-23
अवधि : 3 घंटे
पूर्णांक : 70

निर्देश :

1. प्रश्न संख्या एक के सात उपखंड हैं। परीक्षार्थी को किन्हीं चार उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड 3.5 अंकों का है।
2. प्रश्न संख्या दो से पांच तक में तीन उपखंड हैं, जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्न में से किन्हीं दो उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड 7 अंकों का है।

प्रश्न संख्या -1 (7X3.5=14)

अ) सिनेमा से संबंधित किसी एक संस्थान का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
ब) मूक फिल्म पर टिप्पणी लिखिए।
स) 'वृतचित्र' का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।
द) साहित्यिक कृति पर केंद्रित किसी एक फिल्म का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
य) हिंदी सिनेमा में नायकत्व की अवधारणा पर संक्षेप में विचार कीजिए।
र) हिंदी सिनेमा के वर्तमान परिदृश्य पर टिप्पणी लिखिए।
ल) 'मुगले-आज़म' में 'बहार' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न संख्या-2 (2X7=14)

अ) सिनेमा के उद्भव और विकास पर सारगर्भित निबंध लिखिए।
ब) सिनेमा उद्योग और कला के संबंधों पर प्रकाश डालिए।
स) सिनेमा के विविध प्रकारों का सविस्तार उल्लेख कीजिए।

प्रश्न संख्या-3 (2X7=14)

अ) हिंदी सिनेमा में स्त्री एवं प्रेम की उपस्थिति की विवेचना कीजिए।
ब) आरंभिक हिंदी सिनेमा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
स) हिंदी सिनेमा के रूमानी दौर के महत्त्व पर अपना मत प्रकट कीजिए।

प्रश्न संख्या-4 (2X7=14)

अ) सिनेमा और समाज के अंतर्संबंधों को निरूपित कीजिए।
ब) 'राष्ट्रीयता और सिनेमा' विषय पर निबंध लिखिए।
स) सिनेमा के बदलते स्वरूप को रूपायित कीजिए।

प्रश्न संख्या-5 (2x7=14)

अ) 'एक रुका हुआ फैसला' की विस्तारपूर्वक समीक्षा लिखिए।
ब) 'शेरनी' की मुख्य समस्या पर आलोचनात्मक निबंध लिखिए।
स) हिंदी सिनेमा में 'मुगल-ए-आज़म' के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।